भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. †2780

सोमवार, 07 अगस्त, 2023/16 श्रावण, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

पश्चिम बंगाल के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजनाएं

†2780. डॉ. सुकान्त मजूमदार:

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पश्चिम बंगाल राज्य में विगत चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान कार्यान्वित की जा रही केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं और केन्द्रीय क्षेत्र की योजनाओं का उत्तर और दक्षिण दिनाजपुर जिलों सहित वर्ष-वार, योजना-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) विगत चार वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उपरोक्त प्रत्येक योजना के लिए आवंटित, स्वीकृत, जारी और उपयोग की गई निधि का वर्ष-वार, योजना-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) विगत पांच वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान उक्त योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान निर्धारित और प्राप्त किए गए वास्तविक लक्ष्यों का वर्ष-वार, योजना-वार और जिला-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार को उपरोक्त योजनाओं के कार्यान्वयन के दौरान कोई कमियां मिली हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और उन कमियों से पार पाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या उपरोक्त में से किसी भी योजना में समय और लागत में वृद्धि हुई है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (ड.): पर्यटन मंत्रालय 'स्वदेश दर्शन', 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान संबंधी राष्ट्रीय मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक केंद्रीय क्षेत्र की योजनाओं के तहत पश्चिम बंगाल सहित देश से विभिन्न पर्यटन गंतव्यों पर पर्यटन संबंधी अवसंरचना और सुविधाओं के विकास हेतु राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है ।

पश्चिम बंगाल राज्य में उपरोल्लिखित योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की स्थिति सहित स्वीकृत राशि, उपयोग की गई राशि का विवरण अनुबंध पर दिया गया है ।

पर्यटन मंत्रालय समय-समय पर राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों के साथ आवधिक रूप से किए जाने वाले फील्ड निरीक्षणों और समीक्षा बैठकों के माध्यम से स्वीकृत परियोजनाओं की भौतिक प्रगति की निगरानी करता है । पर्यटन मंत्रालय ने पर्यटक और गंतव्य केंद्रित दृष्टिकोण अपनाते हुए स्थायी और जिम्मेदार पर्यटन के विकास के उद्देश्य से अब स्वदेश दर्शन 2.0 के रूप में अपनी स्वदेश दर्शन योजना को परिवर्तित किया है ।

परियोजनाओं के कार्यान्वयन में कोई अतिरिक्त खर्च नहीं हुआ है । पर्यटन मंत्रालय, कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा प्राप्त आवेदनों, परियोजना में हुई प्रगति की समीक्षा, कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा निधियों की उपयोगिता आदि के आधार पर परियोजनाओं के निष्पादन हेतु समय-सीमा को संशोधित करता है ।

*****

अनुबंध

पश्चिम बंगाल के लिए केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के संबंध में दिनांक 07.08.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. †2780 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में विवरण

स्वदेश दर्शन योजना (करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परिपथ/ स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	उपयोग की गई राशि	भौतिक स्थिति (%)
1.	पश्चिम बंगाल	तटवर्ती परिपथ 2015-16	बीच परिपथ का विकास: उदयपुर- दीघा- शंकरपुर- ताजपुर- मंदारमणि- फ्रेजरगंज- बक्खलाई- हेनरी द्वीप	67.99	65.07	65.07	पूर्ण

प्रशाद योजना (करोड़ रु.में)

क्र. सं.	राजय	परियोजना का नाम	स्वीकृति वर्ष	अनुमोदित लागत	जारी की गई राशि	उपयोग की गई राशि	भौतिक प्रगति (%)
1	पश्चिम बंगाल	बेलूर मठ का विकास	2016-17	30.03	23.39	22.83	92%

पर्यटन अवसंरचना विकास हेतु केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	राज्य	परियोजना का नाम	केंद्रीय एजेंसी	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	उपयोग की गई राशि	स्थिति
वर्ष 2017-18							
1.	पश्चिम बंगाल	रामपुरहाट रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	3.48	1.74	उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्राप्त नहीं हुआ है	जारी
2.	पश्चिम बंगाल	तारकेश्वर रेलवे स्टेशन का संयुक्त	रेल मंत्रालय	3.87	1.93	उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्राप्त	जारी

		विकास				नहीं हुआ है	
वर्ष 2019-20							
3.	पश्चिम बंगाल	न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन का संयुक्त विकास	रेल मंत्रालय	4.55	2.27	उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) प्राप्त नहीं हुआ है	रेल मंत्रालय द्वारा इसे कुछ समय के लिए बंद करने की अनुशंसा की गई है क्योंकि स्टेशनों का चयन अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत किया गया है

*****